



VISIONIAS  
INSPIRING INNOVATION

# ABHYAS MAINS

## निबंध ESSAY

निर्धारित समय: तीन घंटे  
Time Allowed: Three Hours

टेस्ट कोड / Test Code : 2488

अधिकतम अंक: 250  
Maximum Marks: 250

### सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 32+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए तीन खाली पृष्ठ (पृष्ठ संख्या. 30-32) दिए गए हैं।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

### General Instructions

This Question-cum-Answer (QCA) Booklet contains 33+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

Three blank pages (Page Nos. 30–32) have been provided for rough work.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 857571

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : SAKSHI JAMUAR

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी  
Medium: Hindi/English

तारीख  
Date

25 AUG '23

केंद्र  
Centre RANCHI

निरीक्षक के हस्ताक्षर  
Invigilator's Signature

Naresh 25/8/23

<b>महत्वपूर्ण अनुदेश</b>		<b>Important Instructions</b>
उम्मीदवार को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवार को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द, आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।		Candidate should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.
1	(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। (ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।	(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates. (b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet
2	अपनी क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर सम्बन्ध न हो।	Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.
3	परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धर्मकी भरी बातें न लिखें।	Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.
4	उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।	Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.
5	उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।	Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.
6	प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनाधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।	Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.
7	प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।	Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.
8	यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर “रद्द” लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।	If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write “Cancelled” across it, otherwise it may be valued.



# ABHYAAS MAINS

## निबंध

निर्धारित समय: तीन घंटे

टेस्ट कोड : 2488

अधिकतम अंक: 250

### प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख्यपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों पर अंक नहीं दिए जाएँगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ व पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

## ESSAY

Time Allowed : Three Hours

Test Code : 2488

Maximum Marks : 250

### QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

## EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

खंड A और B प्रत्येक से एक-एक विषय चुनकर दो निबंध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000-1200 शब्दों में हो :

Write **two** essays, choosing **one** topic from each of the Sections A and B, in about 1000-1200 words each :  $125 \times 2 = 250$

### खण्ड – A / SECTION – A

1. टूटे हुए वयस्क की मरम्मत करने की तुलना में मजबूत बच्चों का निर्माण करना आसान है।  
It is easier to build strong children than to repair broken men.
2. कोरा तर्कपूर्ण मन उस चाकू के समान है जिसमें केवल फलक ही फलक है, वह प्रयोग करने वाले हाथों को ही लहूलुहान कर देता है।  
A mind all logic is like a knife all blade, it makes the hand bleed that uses it.
3. जब कैटरपिलर को लगता है कि दुनिया खत्म हो गई, वह तितली बन जाता है।  
Just when the caterpillar thought the world was over, it became a butterfly.
4. इतिहास, मनुष्य की स्मृतियों पर समय द्वारा लिखी गई एक चक्रीय कविता है।  
History is a cyclic poem written by time upon the memories of man.

### खण्ड – B / SECTION – B

5. बुद्धिमान व्यक्ति तुरंत वही करता है जो मूर्ख अंततः करता है।  
The wise man does at once what the fool does finally.
6. दुनिया उन लोगों के लिए एक त्रासदी है जो महसूस करते हैं, लेकिन उन लोगों के लिए एक कॉमेडी है जो विचार करते हैं।  
The world is a tragedy to those who feel, but a comedy to those who think.
7. पूर्ण स्पष्टता से बुद्धि को तो लाभ होगा लेकिन इच्छाशक्ति को क्षति पहुंचेगी।  
Perfect clarity would profit the intellect but damage the will.
8. अपना चेहरा रोशनी की ओर रखिए और आपको कोई छाया दिखाई नहीं देगी।  
Keep your face to the sunshine and you cannot see a shadow.

## खण्ड - A / SECTION - A

1. टूटे हुए वयस्क की मरम्मत करने की तुलना में मजबूत बच्चों का निर्माण करना आसान है।  
It is easier to build strong children than to repair broken men.
  
2. कोरा तर्कपूर्ण मन उस चाकू के समान है जिसमें केवल फलक ही फलक है, वह प्रयोग करने वाले हाथों को ही लहूलुहान कर देता है।  
A mind all logic is like a knife all blade, it makes the hand bleed that uses it.
  
3. जब कैटरपिलर को लगता है कि दुनिया खत्म हो गई, वह तितली बन जाता है।  
Just when the caterpillar thought the world was over, it became a butterfly.
  
4. इतिहास, मनुष्य की स्मृतियों पर समय द्वारा लिखी गई एक चक्रीय कविता है।  
History is a cyclic poem written by time upon the memories of man.

उम्मीदवारों को  
इस शीरिए में  
नहीं लिखना  
चाहिए  
Candidates  
must not  
write on  
this margin

2.

A MIND ALL LOGIC IS LIKE A  
KNIFE ALL BLADE , IT MAKES  
THE HAND BLEED THAT USES IT

The story of Alfred

Nobel is worth noting . Alfred Nobel was a man of science - having exceptional level of intelligence and massive potential. He knew the ~~potential~~ transformative potential of science - of the capacity of overcoming all

limitations, but he was also aware of its destructive capacities :— of loss of ethics, denial of human rights and so on. His awareness of the above made him establish a Trust—in form of Nobel Prize—<sup>Foundation</sup> to award those who make ethical, productive (and not destructive) use of science.

The theme of the present essay is <sup>about</sup> a quote given by Guru Rabindranath Tagore. In essence, it means that complete reliance on logic, intelligence and objectivity can prove to be fatal. There is a need for a judicious mix of logic as well as compassion to tread forward.

The essay also deals with how sometimes complete logic is needed over the emotions and suggests a course of action.

## The power of the mind

Our minds have two sides, the rational self and the emotional self. Humans use their knowledge, wisdom, intelligence to solve problems. In words of Friedrich Nietzsche, the ultimate goal of man is to overcome itself - to become a superhuman.

To this end, man embarks on a continuous journey for self discovery. This journey, however, often - is driven by complete reason & defying

The adage of incomplete logic causing discords is true in many respects. For instance, pursuit of discovery of new lands made Christopher Columbus 'find'

America. His aim for expanding the European clout resulted in decimation of local tribes. The Aztecs and the Incas of Peru, likewise - were killed due to such relentless pursuits.

Likewise, a mind all logic possessed by Adolf Hitler caused a denial of democracy during Nazi Germany - ending with the Holocaust & deaths of millions.

The adage also holds true in realm of technology. For example, the Manhattan project spearheaded by Oppenheimer was started with the aim to make America a true global hegemon. It resulted in the two atom bombs in Hiroshima & Nagasaki, along with the constant Cold War rivalry between US and USSR.

In realm of medical sciences, complete logic may lead to unethical results. For instance - Xenotransplantation involves use of animals' organs for purpose of saving human lives. While the act may or may not save human lives, it causes culling of animals & denial of respect for nature. Similarly, concept of human cloning, designer-babies may violate the Kantian categorical imperative - of denying the dignity of humans.

Man, with a quest to diversify energy basket - undertakes various mining operations - but it may ignore the concerns of inter-generational equity. For instance, the quest for growth of electricity vehicle industry has made several companies undertaking cobalt mining.

in Congo. This has aggravated & perpetuated child labour, water contamination & ~~missing~~ diseases amongst the populace. Indeed, a mind all logic produces 'blood' in one's hands.

A mind all logic involves complete objectivity, without any regard to contextuality. It fosters rigid attitudes. For instance, a bureaucrat asserting strictly on adhering to the written rules may refuse delivery of an essential service to a beneficiary. Recent Jharkhand hunger deaths due to denial of po sations to poor was is a case in point.

We need logic as well as compassion

As established above that complete logic may lead to denial of justice, the essay proceeds to on the need to have a judicious mix of logic as well as listening to the heart.

A logic complemented by attributes like emotional intelligence is worth noting. For instance, Mahatma Gandhi's civil disobedience movement involved defying of the unjust salt law, among other things. To give weightage to his struggle, he built up on ideals of Satyagraha by gathering and listening to the masses, making our freedom movement truly inclusive. This eventually culminated in our tryst with destiny and an India building in bedrock of democracy.

A mind completed complements with the heart needs an element of tolerance. Roman Emperor Marcus Aurelius, in his book, 'Meditations' underscores its importance and says that ultimate way for a just & egalitarian society is by building

tolerance - which is developed by trying to understand the differences of others. The ideals of Indian Constitution like Secularism, Republic, brotherhood & fraternity - are an embodiment of this. It ensures India ~~to~~ remains a salad bowl of different cultures.

In the realm of business, an ethical Capitalism governed by interests of all stakeholders ensures that everyone's voices are heard. Concepts like Corporate Social Responsibility and Environmental, Social and Governance are key to fulfil customers, employer, ~~so~~ shareholder satisfaction. For instance, the initiatives of Wipro foundation in environmental realm has upheld nature's right to life.

But sometimes, logic trumps over the heart

There can be certain situations when taking a tough stand

is necessary, however unpopular it may be. This is because giving undue regard to emotions may cloud judgments.

for instance, India building the Nuclear triad is a necessity for its own national security. Regardless of its potential of causing mass destruction, building a the it is key to nation's goal of self preservation.

Afterall, in Machiavelli's words, a state should be a hard state and not take soft approach.

Likewise, soon in the era of Indra's Web - where world is ~~govern~~ mired in complex interdependence, there's grave ~~chance~~ of vulnerability to external shocks in a country. As a result, the act of India protecting own local industries and agriculture may be distorting global ~~to~~ free trade

, but such an act is necessary to protect  
our economic interests.

Hence, it is necessary  
that a complete, mechanical  
adherence to logic can be catastrophic.  
Reliance must be made on both  
logic as well as aspects like empathy  
and compassion, tolerance, fostering  
mutual respect.

As the nation is going  
through Amrit Kaal, it must be,  
in words of Hon'ble Prime Minister,  
seen as 'Kartavya Kaal'. An era of  
duty guided by Gandhian virtues of  
truth and justice.

At an individual level,  
there's need for self-reflection, to observe  
the ills happening in society and stand  
up against such ill. Such critical

thinking behaviours must be promoted by family and society. There's a need for cooperation of the weak and the marginalised, and involving them in process of the nation's own growth. Afterall,

if society is like a chain. The weakest link is as strong as the strongest link ?

उम्मीदवारों को  
इस छालिए में  
नहीं लिखना  
चाहिए  
Candidates  
must not  
write on  
this margin

5. बुद्धिमान व्यक्ति तुरंत वही करता है जो मूर्ख अंततः करता है।  
The wise man does at once what the fool does finally.
6. दुनिया उन लोगों के लिए एक त्रासदी है जो महसूस करते हैं, लेकिन उन लोगों के लिए एक कॉमेडी है जो विचार करते हैं।  
The world is a tragedy to those who feel, but a comedy to those who think.
7. पूर्ण स्पष्टता से बुद्धि को तो लाभ होगा लेकिन इच्छाशक्ति को क्षति पहुंचेगी।  
Perfect clarity would profit the intellect but damage the will.
8. अपना चेहरा रोशनी की ओर रखिए और आपको कोई छाया दिखाई नहीं देगी।  
Keep your face to the sunshine and you cannot see a shadow.

उम्मीदवारों के  
इस शाश्वत में  
नहीं लिखना  
चाहिए  
Candidates  
must not  
write on  
this margin

5.

THE WISE MAN DOES AT ONCE  
WHAT THE FOOL DOES FINALLY

Consider the ancient Greek play ‘Antigone’ by Sophocles. Antigone is a common girl who requests the Despot King to get her deceased brother’s body buried. The King outrightly refuses her request. Public don’t support Antigone as in their eyes, the law

is the command of the sovereign. Regardless, Antigone goes on to defy the King's command. Why? Because in her opinion, she is bound to obey not a king's unjust law but the laws of heaven - which is guided by reason.

Antigone, in the above example, is the wise man. She pioneered the ideals of natural law over human laws. Her courageous, defiant act against unjust law served as an inspiration for later times to come - of ushering of an era where natural law and rights are given more importance than amoral laws.

The present essay encapsulates the idea that it is the wise, courageous men who make remarkable feats through their

ingenuity & perseverance. On the other hand, the fools - the reckless, ignorant people finally accept the overarching precedents set by wise men. The present essay goes on to describe the need and the manner of how human strides should look like.

Who is a wise man? As the name suggests, he is a person possessing diverse attributes like critical thinking, scientific approach, giving moral reasoning to diverse issues, et al. His wisdom and knowledge drives the humanity forward.

Fools, on the other hand, as stated earlier, refer to the complacent, ignorant - who often

possess the herd mentality. They do not often learn from mistakes. After all,<sup>6</sup> those who do not learn from history are bound to repeat it<sup>7</sup>.

History is replete with instances of wise men who take initiatives and lay the foundation for future generations. For instance, the pursuit of truth for Ferdinand Magellan made him circumnavigate the globe to discover that Earth was round. His quest for ~~a~~ truth bursted the flatearth theory - centuries later.

Wise men and women have been largely proactive and clairvoyant. To exemplify, consider the Jacobin Constitution which emerged during French Revolution. It was the first constitution that was truly

egalitarian - it stressed on abolition of slavery, promoting workers' rights and concept of ~~a~~ liberty & fraternity. While the Jacobin constitution was not implemented in France truly, it served as inspiration for abolition of slavery in United States Civil war.

During the darkest times, the fools act like sheep, lacking courage. For example, during 1975 Emergency era, in works of Shah Commission, the public servants ~~were~~ <sup>6</sup> crept and crawled and bent when they needed to stand. The moments showed a silver lining when Justice H R Khanna in ADM Jabalpur case voiced his protest and gave unpopular albeit-right sulings. HR Khanna's iconic acts

played a role in bringing safeguards to check misuse of Emergency laws.

The raddage also holds true when wise men exhibit selflessness, empathy and compassion. For instance, in 1897 - when the misperception about spread of AIDS was rampant in England - so much ~~so~~ that AIDS patients were treated as untouchable. Lady Diana, the Duchess of Cambridge led by example when she shook her bare hands with an AIDS survivor. Her transformative act served as a gamechanger to burst this misconception and made society more inclusive for years to come.

Likewise, the courageous act of women like Bhanwari Devi - who stopped a six months old from getting married ~~and was~~ and <sup>was</sup> unfortunately raped & tortured. Her fight for women's rights at workplace led to <sup>passage</sup> passing of

⑩ Workplace Harassment Act, 2013 – a decade later.

In the realm of business, this adage holds true wherein businesses exercise stakeholder capitalism. Steve Jobs' Apple emphasised on the simplicity in design and user interface for benefit of the consumer. This was a result of their continued feedback working on feedbacks and being more responsive to customer's interests. Gradually, other companies also followed suit.

Sometimes, the wise men are unable to do accomplish their task at once. Sometimes, it needs perseverance and adaptation, improvisation to accomp succeed.

For example, Abraham Lincoln's journey was one characterised

by constant setbacks — he lost 8 elections, and had also suffered from mental breakdown. But his attitude of never giving up, to look at roadblocks as stepping stones to success — ultimately made him victorious. His strides against slavery set a precedent all across the globe.

Likewise, the recent <sup>landing</sup> ~~launched~~ of Chandrayaan-3 on August 23, 2023 to the moon is a result of constant maneuvering & learning from past setbacks that occurred to Chandrayaan 2.

This also holds true for acts of our great men and women during freedom struggle, which saw constant improvisation — starting from moderate means, to extremist and Gandhian — to give birth to our nation. The Gandhian model was replicated in subsequent movements like in South Africa.

## LEARNINGS FROM WISE MEN

While it has been established that wise men and women have made remarkable strides, what one should ask on methods to replicate it. In other words, what should we do in order to make ourselves and our world a better place?

One, developing a spirit of questioning is paramount. In Albert Einstein's words, "The most important thing is to never stop questioning. Questioning is the reason for all existence?"

Two, adopting the Japanese kaizen technique. It involves taking incremental measures, one step at a time. This ensures consistency as well as constant motivation towards

one's pursuits.

↳ <sup>6</sup> Brick by brick, we will make this castle?

Three, there's a need for a continuous feedback mechanism. One needs to continuously reform, perform and transform their methods. This ensures alignment with the changing needs and demands of the nature of work. For example - Companies switching from offline methods to Work from home ensured their survival.

Hence, it is necessary to draw inspiration from lead the lives of great & wise men. ~~and~~  
We need to counter & check ~~the~~ weak and submissive attitudes, be vigilant of our surroundings. While it is well known that adversity is a fact of life, we need to

build a positive mindset in order to grow. Also, while such pursuits ~~are~~ are crucial for growth, there is a need to develop temperance, acceptance in cases of setbacks. One must simultaneously live with the flow, which does not mean inaction, but of positive action, of ~~the~~ introspecting ourselves [Lao Tzu]. This will ensure a harmonious balance between our own physical and mental health and help us achieve peace in true sense.

उम्मीदवारों को  
इस शीरिए में  
नहीं लिखना  
चाहिए  
Candidates  
must not  
write on  
this margin

- Ques 1) What is the difference between the following:  
a) Monocotyledonous plants  
b) dicotyledonous plants  
c) herbaceous plants  
d) woody plants  
e) annual plants  
f) biennial plants  
g) perennial plants  
h) herbaceous annual plants  
i) herbaceous biennial plants  
j) herbaceous perennial plants  
k) woody annual plants  
l) woody biennial plants  
m) woody perennial plants  
n) deciduous trees  
o) evergreen trees  
p) hardwood trees  
q) softwood trees  
r) coniferous trees  
s) non-coniferous trees  
t) leafy trees  
u) flowering trees  
v) fruit bearing trees  
w) timber bearing trees  
x) medicinal trees  
y) leaves bearing trees  
z) fruits bearing trees

## SPACE FOR ROUGH WORK

A MPnd all logic is like knif, all blade - makes the hand bleed that uses it

- Tagore.

[mind]

logic = bad / logic? (def.) . Imps of logic ↗

why bad

↳ discords.

see → oligarchy / technocracy Greece

(I) → Columbus . self discovery . x local tribes . Incas Aztecs

↳ Hitler Lebensraum.

(A)

Science devp. → Manhattan p. → design baby (medical outcome)  
cloning . bone humans . Enrich plan  
complete objectivity x contextuality . Civil servants

envi - present resources → displacement .

(GCC)

min. cobalt → DRC

problem w/o past

Alfred Nobel

need mind + heart

→ eco dev - compa emial capitalism . CSR.

(II)

→ Gandhi - masses. GM.

→ ~~listen~~ tolerance. (Aurelius).

Nobels Web

cooperat, compromise . - 60-27.

↳ Society like a chain . weakest link

↳ comd

sometimes mind ≠ heart

next security

Waging war

→ nuclear - deterrence

↳ whilatianism .

→ intel secrets . intel

\*

→ supply chain . subsidies

Rage

→ drop compass . → gratitude

→ nowad.

critical thinking w/ values like .

self intro (socrates)

listen to all voices (democracy)

## SPACE FOR ROUGH WORK

The wise man does at once what the fool does formally

Antigone.

And those who were seen as damed

Wise man - 1st stand Shide, 1st leap.

know + reason

need of self reflect. those who don't learn from his are bound to repeat it.

✓ pursuit of truth - Magellan.

✓ proactive - Jacobin consli

✓ towards justice / Lord Coke

/ HR Khanna.

✓ business - Steve Jobs - stop simplicity in design.

✓ objective - Haywood

✓ compassion - 1897 Lady Diana

✓ courage - Bhawan Dev

Sometime not at Once, but persistent efforts

perseverance.

↳ BM Molabari

↳ Saty

Course of action

↳ Sharp critical thinking

↳ See Kaizen.

↳ feedback mechanism, reform Perf Transfor.

↳ not be perturbed. ↳ Lincoln & elect.

↳ touch of master ↳ last not the least - Wu Wei

↳ most impo thing is never stop  
ques? (it's the reason for all exist)

- Einstein.

Pandemic

↳ Namaste,

↳ Agman Yogo,  
Wor millely.

Goddess

## SPACE FOR ROUGH WORK

AL